NEWS CLIPPING:24.03.2023

PUNJAB KESARI

दिमाग में कश्मीर, दिल में कश्मीरियत और हाथों में तिरंगा लिए लौटे विद्यार्थी

फरीदाबाद, 23 मार्च (ब्यूरो): दिमाग में कश्मीर, दिल में कश्मीरियत, हाथों में तिरंगा है। जम्मू व कश्मीर की वास्तविक परिस्थिति का अध्ययन कर लौटे जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों डल झील में शिकारा पर खानपान से लेकर खरीदारी तक के अनुभव साझा किए। कहीं कश्मीरी पंडितों के दर्द छलका तो उनकी घर वापसी की उम्मीद भी जगी। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने बधाई दी और उज्जवल भविष्य की कामना की।

संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग के डीन प्रो. अतुल मिश्रा ने कहा कि विभाग को अपने विद्यार्थियों पर गर्व है। जिस उद्देश्य के साथ विद्यार्थी जम्मू व कश्मीर अध्ययन के लिए गए थे, उन्होंने उसे पूरा किया। विभाग के अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह मलिक ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में जाकर वहां की वास्तविक स्थिति का अध्ययन करना विद्यार्थियों के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य था, लेकिन विद्यार्थियों ने पूरी लगन के साथ अपना अध्ययन पूरा किया जोकि उन्हें आगे शोध कार्य में मदद करेगा।

यात्रा में शामिल विद्यार्थियों ने अपने अनुभव क्रमवार साझा करते हुए बताया कि कश्मीर में दौरे के दौरान एक सेवानिवृत अधिकारी गुलाम मोहम्मद खान ने बताया कि उन्होंने 1980 से पहले धारा 370 हटाने की मांग रखी और लंबे समय तक आंदोलन चलाया। पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद की प्रवक्ता सुजादा बशीर ने बताया कि उनकी पार्टी का प्रयास है कि आतंकवाद फिर कभी न पनपे और वह रोजगार के अवसर की संभावनाओं के लिए कार्य करेंगी। कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास में हरसंभव प्रयास करेंगी।

कश्मीर अध्ययन यात्रा में 45 सदस्यों वाली टीम में शामिल जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के मीडिया के विद्यार्थी में कृष्णा, हेमंत, साहिल कौशिक, अरिहंत के साथ प्रोडक्शन सहायक रामरस पाल सिंह एवं अन्य। (छाया:एस शर्मा)

■ कश्मीर वापस लौटे जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के मीडिया विद्यार्थियों ने साझा किए अनुभव

कश्मीरी विद्यार्थियों ने अपनी समस्या से रूबरू कराते हुए बताया कि धारा 370 हटने के बाद उन्हें अभी केंद्रीय शिक्षा की मुख्यधारा में आने में समय लगेगा। मोहम्मद शमशाद कहते हैं कि अल्लाह का शुक्र है यहां धारा 370 हटने के बाद आतंकवाद पर रोक लगी है। अधिकतर कश्मीरी लोगों का कहना है कि वह अनजान की मदद करने को हमेशा तैयार रहते हैं। उन्होंने 370 हटाए जाने के फैसले का स्वागत किया। आज उनके दिमाग में कश्मीर, दिल में कश्मीरियत और हाथों में तिरंगा है।

यात्रा टीम के डल झील में शिकारा पर सवार होकर खानपान से लेकर खरीदारी का अनुभव अविस्मरणीय रहे। भारतीय टूरिस्ट आने से टूरिज्म इंडस्ट्री में रौनक लौटने लगी है और अब विदेशियों के आगमन से टूरिज्म व्यवसाय को ज्यादा प्रोत्साहन मिलेगा। कश्मीर में जलाशय के बीच स्थापित मंदिर भूमिगत जल स्रोत संरक्षण का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। गंदरबल जिले के तुलमुल में छः हजार वर्ष पुराना प्रसिद्ध एवं प्राचीन खीर भवानी मंदिर हिन्दुओं का प्रमुख तीर्थस्थल है। इसे कश्मीरी पंडितों की कुलदेवी भी कहा जाता है। इस मंदिर की विशेषता यह है कि किसी भी प्राकृतिक आपदा की पूर्व सूचना का संकेत देते हुए इसके जलकुंड का पानी लाल व काले रंग में बदल जाता है। ग्रीन कश्मीर रेवुलेशन संस्था यहां के विद्यार्थियों के साथ मिलकर अपनी अनूठी मुहिम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण अभियान में जुटी हुई है।

कश्मीर यात्रा दल ने कश्मीर के जिला अनंतनाग के वेरीनाग, गंधरबल, श्रीनगर डल झील, बादामीबाग, लालचैक, गोगची बाग, हजरतबल दरगाह, मुगल गार्डन निशात, मुगलगार्डन चश्मेशाही, टैगोर हॉल, इबादत ए शहादत संग्राहलय, ओल्ड जीरो ब्रिज, अमर पैलेस, आकटी बॉर्डर, बलिदान स्तंभ, सुरिनसर मनसर झील, कश्मीरी शरणार्थियों के लिए बसाई गई जगती कॉलोनी का दौरा किया। टीम में हरियाणा के 16 जिलों से विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के 38 छात्र- छात्राएं शामिल थीं। अध्ययन दल कश्मीर में 9 मार्च से 15 मार्च तक रहा। कश्मीरियों से मिलकर यहां के हालात की जानकारी एकत्रित की। पंचकूला में विगत दिसंबर में आयोजित कार्यशाला में हरियाणा के कई विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों से 70 के करीब विद्यार्थी शामिल हुए थे, जिसमें से जे.सी.बोस विश्वविद्यालय के विद्यार्थी हेमंत शर्मा, अरिहंत, कृष्णा कुमार, साहिल कौशिक के साथ प्रोडक्शन सहायक रामरसपाल सिंह का चयन कश्मीर अध्ययन यात्रा के लिए हुआ था।

NEWS CLIPPING:24.03.2023

AAJ SAMAJ

एहिमे विश्वविद्यालय, जापान ने जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के साथ शोध में दिखाई रुचि

एहिमे विश्वविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल ने किया जे.सी. विश्वविद्यालय का दौरा

समझौता

■ उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में परस्पर शोध भागीदारी करेंगे दोनों विश्वविद्यालय

गोपाल अरोड़ा

एहिमे विश्वविद्यालय, जापान के प्रतिनिधियों के साथ कुलपति प्रो. एस.के. तोमर एवं अन्य। आज समाज

फरीदाबाद। एहिमे विश्वविद्यालय, जापान के दो सदस्यीय शैक्षणिक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद का दौरा किया, जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के साथ भविष्य के शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को समझना और विचार-विमर्श करना था। प्रतिनिधिमंडल ने उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में परस्पर शोध भागीदारी के संभावित क्षेत्रों में रुचि भी दिखाई।

शैक्षणिक प्रतिनिधिमंडल में एहिमे विश्वविद्यालय, जापान से प्रो. नेत्र प्रकाश भंडारी और प्रो. नाओकी किनोशिता शामिल थे। दोनों प्रतिनिधियों ने कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर की अध्यक्षता में निदेशक (अनुसंधान एवं विकास) प्रो. नरेश चौहान, विभिन्न शिक्षण विभागों के डीन एवं विभागाध्यक्षों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान, प्रो. चौहान ने विश्वविद्यालय के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया और अनुसंधान में विश्वविद्यालय के मुख्य क्षेत्रों और क्षमताओं से अवगत कराया। इस अवसर पर बोलते हुए कुलपति प्रो. तोमर ने कहा कि जेसी बोस विश्वविद्यालय तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी विश्वविद्यालय है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का अनुसंधान और विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान है और यह अंतरराष्ट्रीय ख्याति के संस्थानों के साथ मिलकर अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के अवसरों का पता लगाने का प्रयास कर रहा है। इसलिए, विश्वविद्यालय ने दुनिया के प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ संवाद करने की पहल की है। अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक समुदाय के साथ संवाद को महत्वपूर्ण बताते हुए कुलपति प्रो. तोमर ने कहा कि विज्ञान और अनुसंधान की कोई सीमा नहीं होती। विश्वविद्यालय तभी फलते-फूलते हैं जब वे अनुसंधान के लिए एक-दूसरे के साथ सहयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि जापान और भारत सांस्कृतिक रूप से एक-दूसरे के बहुत करीब हैं और इस सहयोग से दोनों विश्वविद्यालयों को लाभ होगा। प्रो. तोमर ने कहा कि विश्वविद्यालय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, ब्लॉक-चेन, जियोथर्मल और रॉक मैकेनिक्स सहित उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में अनुसंधान सहयोग की संभावनाओं पर काम करने का इच्छुक है।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रो. भंडारी ने कहा कि एहिमे विश्वविद्यालय जापान के राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में से एक है जिसकी स्थापना 1949 में हुई थी। इसके दो कैंपस और 7 फैकल्टी हैं और विभिन्न पाठ्यक्रमों में नौ हजार से अधिक विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। प्रो. भंडारी ने कहा कि जापान सरकार दुनिया भर के प्रमुख विश्वविद्यालयों, विशेष रूप से भारत के साथ विद्यार्थियों को जापान में शिक्षण और शोध के लिए आकर्षित करने के लिए शैक्षणिक आदान-प्रदान के कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए उत्सुक है। उन्होंने कहा कि जापान का बाजार रोजगार के अवसरों से भरा है; इसलिए, जापान में अधिकांश विद्यार्थी उच्च शिक्षा के बाद शोध का विकल्प नहीं चुनते हैं। उन्होंने दो संस्थानों के बीच अनुसंधान सहयोग की संभावना पर भी चर्चा की। बाद में, प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न तकनीकी विभागों का दौरा किया और विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जा रही अनुसंधान सुविधाओं का जायजा लिया।

NEWS CLIPPING:24.03.2023

PIONEER

एहिमे ने जेसी बोस के साथ शोध में दिखाई रुचि

एहिमे विश्वविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल ने किया जेसी विश्वविद्यालय का दौरा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एहिमे विश्वविद्यालय, जापान के दो सदस्यीय शैक्षणिक प्रतिनिधिमंडल ने आज जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद का दौरा किया। जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के साथ भविष्य के शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को समझना और विचार-विमर्श करना था। प्रतिनिधिमंडल ने उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में परस्पर शोध भागीदारी के संभावित क्षेत्रों में रुचि भी दिखाई।

शैक्षणिक प्रतिनिधिमंडल में एहिमे विश्वविद्यालय, जापान से प्रो. नेत्र प्रकाश भंडारी और प्रो. नाओकी किनोशिता शामिल थे। दोनों प्रतिनिधियों ने कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर की अध्यक्षता में निदेशक (अनुसंधान एवं विकास) प्रो. नरेश चौहान, विभिन्न शिक्षण विभागों के डीन एवं विभागाध्यक्षों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान, प्रो. चौहान ने विश्वविद्यालय के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया और अनुसंधान में विश्वविद्यालय के मुख्य क्षेत्रों और क्षमताओं से अवगत कराया।

एहिमे विश्वविद्यालय, जापान के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करते हुए कुलपति प्रो. एसके तोमर और अन्य अधिकारीगण।

इस अवसर पर बोलते हुए कुलपति प्रो. तोमर ने कहा कि जे.सी. बोस विश्वविद्यालय तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी विश्वविद्यालय है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का अनुसंधान और विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान है और यह अंतरराष्ट्रीय ख्याति के संस्थानों के साथ मिलकर अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के अवसरों का पता लगाने का प्रयास कर रहा है। इसलिए, विश्वविद्यालय ने दुनिया के प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ संवाद करने की पहल की है।

अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक समुदाय के साथ संवाद को महत्वपूर्ण बताते हुए कुलपति प्रो. तोमर ने कहा कि विज्ञान और अनुसंधान की कोई सीमा नहीं होती। विश्वविद्यालय तभी फलते-फूलते हैं जब वे अनुसंधान के लिए एक-दूसरे के साथ सहयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि जापान और भारत सांस्कृतिक रूप से एक-दूसरे के बहुत करीब हैं। प्रो. तोमर ने कहा कि विश्वविद्यालय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, ब्लॉक-चेन, जियोथर्मल और रॉक मैकेनिक्स सहित उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में अनुसंधान सहयोग की संभावनाओं पर काम करने का इच्छुक है।

NEWS CLIPPING:24.03.2023

REPCO NEWS

एहिमे विश्वविद्यालय, जापान ने जे.सी. बोस विश्वविद्यालय के साथ शोध में दिखाई रुचि

फरीदाबाद, 22 मार्च (रेपको न्यूज/नरेश नरूला)। एहिमे विश्वविद्यालय, जापान के दो सदस्यीय शैक्षणिक प्रतिनिधिमंडल ने आज जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद का दौरा किया, जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के साथ भविष्य के शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग को समझना और विचार-विमर्श करना था। प्रतिनिधिमंडल ने उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में परस्पर शोध भागीदारी के संभावित क्षेत्रों में रुचि भी दिखाई।

शैक्षणिक प्रतिनिधिमंडल में एहिमे विश्वविद्यालय, जापान से प्रो. नेत्र प्रकाश भंडारी और प्रो. नाओकी किनोशिता शामिल थे। दोनों प्रतिनिधियों ने कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर की अध्यक्षता में निदेशक (अनुसंधान एवं विकास) प्रो. नरेश चौहान, विभिन्न शिक्षण विभागों के डीन एवं विभागाध्यक्षों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान, प्रो. चौहान ने विश्वविद्यालय के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया और अनुसंधान में विश्वविद्यालय के मुख्य क्षेत्रों और क्षमताओं से अवगत कराया।

इस अवसर पर बोलते हुए कुलपति प्रो. तोमर ने कहा कि जे.सी. बोस विश्वविद्यालय तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी विश्वविद्यालय है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का अनुसंधान और विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान है और यह अंतरराष्ट्रीय ख्याति के संस्थानों के साथ मिलकर अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के

अवसरों का पता लगाने का प्रयास कर रहा है। इसलिए, विश्वविद्यालय ने दुनिया के प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ संवाद करने की पहल की है।

अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक समुदाय के साथ संवाद को महत्वपूर्ण बताते हुए कुलपति प्रो. तोमर ने कहा कि विज्ञान और अनुसंधान की कोई सीमा नहीं होती। विश्वविद्यालय तभी फलते-फूलते हैं जब वे अनुसंधान के लिए एक-दूसरे के साथ सहयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि जापान और भारत सांस्कृतिक रूप से एक-दूसरे के बहुत करीब हैं और इस सहयोग से दोनों विश्वविद्यालयों को लाभ होगा। प्रो. तोमर ने कहा कि विश्वविद्यालय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, ब्लॉक-चेन, जियोथर्मल और रॉक मैकेनिक्स सहित उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में अनुसंधान सहयोग की संभावनाओं पर काम करने का इच्छुक है।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रो. भंडारी ने कहा कि एहिमे विश्वविद्यालय जापान के राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में से एक है जिसकी स्थापना 1949 में हुई थी। इसके दो कैंपस और 7 फैकल्टी हैं और विभिन्न पाठ्यक्रमों में नौ हजार से अधिक विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। प्रो. भंडारी ने कहा कि जापान सरकार दुनिया भर के प्रमुख विश्वविद्यालयों, विशेष रूप से भारत के साथ विद्यार्थियों को जापान में शिक्षण और शोध के लिए आकर्षित करने के लिए शैक्षणिक आदान-प्रदान के कार्यक्रमों को बढ़ावा देने के लिए उत्सुक है। उन्होंने कहा कि जापान का बाजार रोजगार के अवसरों से भरा है; इसलिए, जापान में अधिकांश विद्यार्थी उच्च शिक्षा के बाद शोध का विकल्प नहीं चुनते हैं। उन्होंने दो संस्थानों के बीच अनुसंधान सहयोग की संभावना पर भी चर्चा की। बाद में, प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न तकनीकी विभागों का दौरा किया और विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जा रही अनुसंधान सुविधाओं का जायजा लिया।

NEWS CLIPPING:24.03.2023

HINDUSTAN

पहल | जेसी बोस विश्वविद्यालय के छात्र पहले चरण में गांव सीकरी में सात दिवसीय शिविर में भाग लेंगे, ग्रामीणों से संवाद करने का भी मौका मिलेगा

गांव में सामाजिक गतिविधियों का अध्ययन करेंगे छात्र

फरीदाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। जेसी बोस विश्वविद्यालय के छात्र गांवों की सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को अध्ययन करेंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय की तरफ से पहले चरण के लिए निकटवर्ती गांव सीकरी में सात दिवसीय शिविर आयोजित किया जाएगा।

शिविर में शामिल छात्रों को प्रो.प्रदीप डिमरी, प्रो. देवप्रसाद भारद्वाज डॉ. पवन मलिक और अतुल मिश्रा का मागदर्शन प्राप्त होगा। साथ ही छात्रों को इस ग्रामीण शिक्षण शिविर के माध्यम से ग्रामीण परिवेश, संस्कृति, लोकाचार और सामाजिक कार्य आदि गतिविधियों को कार्यशाला के माध्यम से समझने का मौका मिलेगा। छात्र सात दिन ग्रामीण इलाके में व्यतीत करेंगे ऐसे में छात्र को ग्रामीणों के साथ संवाद भी छात्र कर सकेंगे।

छात्रों को इस दौरान गांव की सामाजिक समस्या और स्वास्थ्य जैसी समस्याओं का अध्ययन करने का मौका मिलेगा और छात्र सांस्कृतिक गतिविधियों से भी रूबरू हो सकेंगे। इस शिविर में छात्र हर दिन समाज कार्य से जुड़े विशेषज्ञ समाजकार्य से आपने अनुभवों को साझा करेंगे।

सीकरी में आज कार्यशाला

समाजकार्य पाठ्यक्रम के तहत जे सी. बोस विज्ञान एव तकनीकी विश्वविद्यालय के छात्रों की एक कार्यशाला शुक्रवार को गांव सीकरी में शुरू होगी। सात दिवसीय शिविर में आयोजित कार्यशाला समाजकार्य के छात्रों के लिए एक आवश्यक गतिविधि है। इसमें छात्र समाज कार्य की विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करेंगे तथा शिक्षा, स्वास्थ्य,जीवनचर्या में समाजकार्य के नवायोगों को सीखेंगे।

असमानता दूर करने पर जोर

प्रो. पवन मलिक बताते हैं कि शिविर में प्रत्येक छात्र को सीखने की प्रक्रिया में प्रतिभागिता करनी होगी और असमानताओं को दूर करने पर अधिक जोर दिया जाएगा। ग्रामीण परिवेक्ष्य में शिक्षा का अधिकार कानून लिंग और सामाजिक स्थिति पर अध्ययन करना और वहां की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का अध्ययन करना प्रमुखता रहेगी।

सांस्कृतिक महत्व समझेंगे

सात दिवसीय शिविर में सांस्कृतिक गतिविधियों के महत्व को छात्र बेहतर समझ सकेंगे। साथ ही इनमें आई विद्रूपताओं को भी पहचान कर उनके समाधान मंथन कर सकेंगे। जिससे प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रवादी होने और अच्छे समाज का निर्माण होने में सहयोग मिल सकेगी। ग्रामीण सांस्कृतिक गतिविधियां का मुख्य लक्ष्य भी सरकार ही सकेगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने कहा कि इस प्रकार के शिविर छात्रों को अनुभव आधारित शिक्षा के साथ साथ उनके सर्वांगीण विकास का भी अवसर प्रदान करते हैं जो विश्वविद्यालय का मिशन भी है। विश्वविद्यालय छात्रों को ऐसे तमाम अवसर उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है जिसमें छात्रों को अपनी प्रतिभा और कौशल को निखारने का अवसर मिले। ग्रामीण परिवेश में भी भारतीय संस्कृति का संरक्षण है।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING:24.03.2023

AMAR UJALA

कश्मीर से लौटे छात्रों ने कहा, अनुच्छेद 370 हटने से बदलाव हुआ

फरीदाबाद। दिमाग में कश्मीर, दिल में कश्मीरियत, हाथों में तिरंगा है। डल झील में शिकारा पर खानपान से लेकर खरीदारी तक का अद्भुत अनुभव रहा।

कहीं ,कश्मीरी पंडितों का दर्द छलका तो उनकी घर वापसी की उम्मीद भी जगी। ये अनुभव साझा किए कश्मीर के शैक्षणिक दौरे से लौटे जेसी बोस. विश्वविद्यालय के मीडिया विद्यार्थियों ने। छात्रों के दल ने अनुच्छेद 370 हटने के बाद की परिस्थिति का आकलन किया।

जम्मू व कश्मीर में वास्तविक परिस्थिति का अध्ययन कर लौटे विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने बधाई दी। संचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी विभाग के डीन प्रो. अतुल मिश्रा ने कहा कि जिस उद्देश्य के साथ विद्यार्थी जम्मू व कश्मीर अध्ययन के लिए गए थे, वह पूरा हुआ है। विभागाध्यक्ष डॉ. पवन सिंह मलिक ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में जाकर वहां की वास्तविक स्थिति का अध्ययन करना विद्यार्थियों के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। संवाद